International Referred Research Journal, February, 2012. ISSN- 0974-2832, RNI-RAJBIL 2009/29954;VoL.III *ISSUE-37

शोध पत्र- शिक्षा

अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरुकता का अध्ययन

* डॉ. (श्रीमती) रीटा शर्मा ** थान सिंह

February, 2012

* प्रवक्ता, ** एम. एड. छात्र, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, सी.टी.ई., केशव विद्यापीठ, जामडोली

प्रस्तावना–

आज सम्पूर्ण विश्व को आतंकवाद ने अपने आगोश में ले रखा है। इस भयावह समस्या से निपटने के लिए आज ऐसे जागरूक शिक्षकों की आवश्यकता है जो समाज में व्याप्त इस बुराई को उखाड फेंकें। यदि शिक्षक इस प्रकार की समस्याओं के प्रति जागरूक होगा तभी वह विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन कर सकेगा और तभी देश के भावी नागरिक इस प्रकार की समस्याओं एवं बुराईयों से निपटने में सक्षम होंगे। इस प्रकार एक सुखी और समृद्ध समाज की संकल्पना पूरी होती नजर आएगी। लेकिन पहले अध्यापक को स्वयं जागरूक होने की आवश्यकता है तभी वह देश के भावी नागरिकों को जागरूक कर सकेगा। हमारे देश के भावी अध्यापक जो कि अध्यापक बनने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वे स्वयं इस विकराल संकट आतंकवाद के प्रति कितने जागरूक हैं। इसी का अध्ययन करने के लिए प्रस्तुत शोध विषय का चयन किया गया है।

शोध के उद्देश्य–

1.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

2.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे एस. टी. सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

3.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. एवं एस.टी.सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

4.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता का लिंग के आधार पर अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं–

1.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी.एड. एवं एस.टी.सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

2.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

3.अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे एस.टी.सी. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण–

1. अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी– इसमें दो प्रकार के विद्यार्थियों को लिया गया है–

(i) बी. एड. के विद्यार्थी– वे विद्यार्थी जो माध्यमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को शिक्षण कराने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

(ii) **एस. टी. सी. के विद्यार्थी**– वे विद्यार्थी जो प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर तक के विद्यार्थियों को शिक्षण कराने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

2. आतंकवाद– भय, त्रास, आतंक, खौफ आदि का प्रयोग ही आतंकवाद है।

3. जागरूकता– किसी भी विषय या घटना के प्रति ज्ञान एवं क्रिया–प्रतिक्रिया ही जागरूकता है।

सी. वी. गुड के अनुसार– ''अवेयरनैस द एक्ट ऑफ हैविंग और शोइंग रिलाइजेशन, परसैप्शन और नॉलेज। सी कांसियसनैस।''

शोध की परिसीमाएं–

1. प्रस्तुत शोध कार्य जयपुर शहर तक ही सीमित रखा गया है। 2. प्रस्तुत शोध कार्य अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थियों तक ही सीमित रखा गया है। 3. प्रस्तुत अध्ययन 100 छात्र तथा 100 छात्राओं तक सीमित रखा गया है। 4. प्रस्तुत अध्ययन अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता के अध्ययन तक ही सीमित रखा गया है।

शोध के चर–

(i) स्वतंत्र चर– बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थी

(ii) आश्रित चर– आतंकवाद के प्रति जागरूकता

शोध विधि–

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि प्रयुक्त की गई है।

शोध का न्यादर्श–

प्रस्तुत शोधकार्य हेतु न्यादर्श के रूप में जयपुर शहर के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों से बी. एड. व एस. टी. सी. के 100–100 विद्यार्थियों का चयन किया है, जो इस प्रकार है–

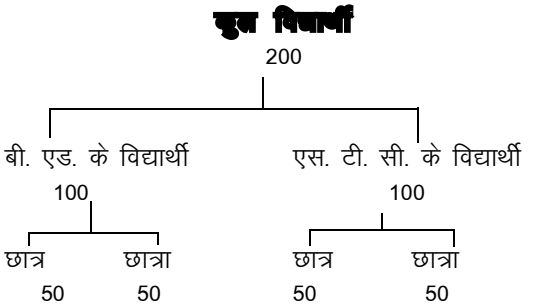

तालिका संख्या 1

समूह	कुल संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर 0.05
बी. एड. के विद्यार्थी	100	30.11	3.943	0.8544	1.97
एस. टी. सी. के विद्यार्थी	100	30.63	4.642		

बी. एड. के छात्र	50	31.34	3.467	3.2695	1.98
बी. एड. की छात्राएं	50	28.88	4.038		

एस. टी. सी. के छात्र	50	31.84	5.015	3.4122	1.98
एस. टी. सी. की छात्राएं	50	29.42	3.923		

शोध में प्रयुक्त उपकरण–

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित ''आतंकवाद जागरूकता मापनी'' का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी–

प्रस्तुत शोधकार्य में दत्त विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी विधियाँ प्रयुक्त की गई हैं।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

परिकल्पना 1– अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

देखें तालिका संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट हो रहा है कि प्रदत्तो की गणना से प्राप्त बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थियों का मध्यमान क्रमशः 30.11 व 30.63 है तथा प्रमाप विचलन क्रमशः 3.943 व 4.642 है। इनका टी–अनुपात 0.8544 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर आवश्यक तालिका मान 1. 97 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना ''अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 2– अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

देखें तालिका संख्या 2 से स्पष्ट है कि प्रदत्तों की गणना से प्राप्त बी. एड. के छात्र एवं बी. एड. की छात्राओं का मध्यमान क्रमशः 31.24 एवं 28.88 है तथा प्रमाप विचलन 3.467 एवं 4. 038 है। इनका टी–अनुपात 3.2695 है जो सार्थकता के 0.05 स्तर पर आवश्यक तालिका मान 1.98 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना ''अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे बी. एड. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 3– अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे एस. टी. सी. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

देखें तालिका संख्या 3 से स्पष्ट है कि प्रदत्तों की गणना से प्राप्त एस. टी. सी. के छात्र एवं छात्राओं का मध्यमान क्रमशः 31.84 एवं 29.42 है तथा प्रमाप विचलन 5.015 एवं 3.923 है। इनका टी–अनुपात 3.4122 है जो कि सार्थकता के 0.05 स्तर पर आवश्यक तालिका मान 1.98 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना ''अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे एस. टी. सी. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत की जाती है।

उपर्युक्त तीनों तालिकाओं के विश्लेषण एवं व्याख्या से स्पष्ट हो रहा है कि बी. एड. एवं एस. टी. सी. के विद्यार्थियों की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। बी. एड. के छात्र एवं छात्राओं की तथा एस. टी. सी. के छात्र एवं छात्राओं की आतंकवाद के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर पाया जाता है। बी. एड. के छात्र बी. एड. की छात्राओं से अधिक जागरूक हैं तथा एस. टी. सी. के छात्र भी एस. टी. सी. की छात्राओं से अधिक जागरूक हैं।

संदर्भ ग्रंथ

1. बुच, एम. बी. : द्वितीय वॉल्यूम पृ. सं. 1398–1413 2. भार्गव, महेश : आधुनिक मनोविज्ञान परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक हाउस, आगरा–1987–88 3. गुड, कार्टर वी. : डिक्शनी ऑफ एजुकेशन, एम. सी. ग्रोव हिल बुक कम्पनी, लन्दन, 1973 4. कपिल, एच. के. : अनुसंधान विधियाँ, हर प्रसाद भार्गव, 4/230, कचहरी घाट, आगरा–1995 5. मूरे, जार्ज जे. : शिक्षा अनुसंधान, इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ 6. शर्मा, आर. ए. : शिक्षा अनुसंधान, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, 2009 इण्टरनेट वेबसाइट : www.terrorism.com पत्र–पत्रिका : इण्डिया टुडे, योजना, भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका, यूनिवर्सिटी न्यूज, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, डेली न्यूज, टाइम्स ऑफ इण्डिया।